

कार्यकारीणी सारांश

प्रस्तावित परियोजना लाइमस्टोन खनन्
(मेजर मिनरल)
उत्पादन क्षमता 0.60 एम.टी.पी.ए.
खनन क्षेत्र 28.461 है.

गांव: पारसाभदेर, तहसील: बालोदाबाजार,
जिला: बालोदाबाजार—भाटापारा,
छत्तीसगढ

पर्यावरण अध्ययन की अवधि: दिसम्बर 2022 से फरवरी 2023

आवेदक

एन यू विस्ता लिमिटेड,
रिसदा, सुलेखा रोड, रिसदा,
बालोदाबाजार, छत्तीसगढ-493332
[EMAIL- raju.ramchandran@nuvoco.com](mailto:raju.ramchandran@nuvoco.com)
Contact: +91-91-7247716504

पर्यावरण सलाहाकार

 वरदान एन्वायरोनैट
(QCI/NABET Accredited No. NABET/EIA/2326/RA0284)
प्लाट नंबर 82 ए, सेक्टर 5, आई एम टी मानेसर,
गुरुग्राम, हरियाणा
E-mail: mining@vardanen.co.in
Contact: +91 9899651342, +91 9810355569

विषय सूची

क्रमांक	विषय	पृष्ठ संख्या
1	परियोजना का परिचय	1
2	वैधानिक मंजूरी और स्वीकृतियों की स्थिति	1
3	परियोजना का संक्षिप्त वर्णन	2
4	परियोजना की आवश्यकता:	4
5	परियोजना के लाभ	4
6	मशीनरी की आवश्यकता	4
7	बिजली की आवश्यकता	5
8	जल की आवश्यकता	5
9	कुल कर्मचारी की आवश्यकता	5
10	पर्यावरण का आधारभूत अध्यन	5
11	पर्यावरणीय प्रभाव और शमन उपाय	7
12	हरितपट्टीका का विकास	11
13	पर्यावरण प्रबंधन योजना	11

कार्यकारीणी सारांश

1. परियोजना का परिचय

नुवोको भारत के अग्रणी व्यापार समूह - निरमा ग्रुप का हिस्सा है, जिसने 2014 में राजस्थान के निंबोल में एक ग्रीनफील्ड सीमेंट प्लांट के माध्यम से सीमेंट व्यवसाय में प्रवेश किया। इसके बाद, 2016 में लाफार्ज इंडिया लिमिटेड और 2020 में एनयू विस्टा लिमिटेड (पूर्व में इमामी सीमेंट लिमिटेड) के अधिग्रहण के माध्यम से कारोबार को बढ़ाया। नुवोको की विकास यात्रा देश में विशिष्ट है। पिछले कुछ वर्षों में, इसने अपनी क्षमता 23.82 MTPA तक बढ़ा ली है, जिससे यह सबसे तेजी से बढ़ने वाली सीमेंट कंपनी बन गई है, जिसने पिछले पांच वर्षों में अपनी स्थापित क्षमता को दोगुना कर दिया है।

नुवोको के पास पूर्वी भारत में पश्चिम बंगाल, बिहार, उड़ीसा, छत्तीसगढ़ और झारखंड राज्यों और उत्तर भारत में राजस्थान और हरियाणा में 11 सीमेंट संयंत्र हैं, जिनमें पांच एकीकृत इकाइयां, पांच ग्राइंडिंग इकाइयां और एक ब्लेंडिंग इकाई शामिल हैं। एकीकृत संयंत्र, वेस्ट हीट रिकवरी (डब्ल्यूएचआर) सिस्टम, कैप्टिव पावर प्लांट (सीपीपी) और सौर ऊर्जा संयंत्रों के साथ भिवानी और चित्तौड़गढ़ में स्थित हैं, परियोजना प्रस्तावक पारसाभदेर चूना पत्थर खदान का प्रस्ताव कर रहे हैं, जिसकी प्रस्तावित उत्पादन क्षमता 0.60 एमटीपीए है, क्षेत्र 28.461 हेक्टेयर, गांव पारसाभदेर, तहसील- बलौदाबाजार, जिला-बलौदाबाजार-भाटापारा, में हैं।

एनयू विस्टा लिमिटेड के पक्ष में एलओआई क्रमांक एफ-3-03/2020/12 दिनांक 4 अगस्त 2022 को जारी किया गया है।

यह प्रस्तावित खनन परियोजना है, जिसका कुल खनन पट्टा क्षेत्र 28.461 हेक्टेयर है। इसमें से 3.84 हेक्टेयर क्षेत्र सरकारी भूमि और 24.621 हेक्टेयर निजी भूमि है।

प्रोग्रेसिव माइन क्लोजर प्लान के साथ खनन योजना को भारतीय खान ब्यूरो के पत्र क्रमांक आरपीआर/बलौदा-बाजार/एलएसटी/1372/एमपी/2022-23, दिनांक 22.08.2023 द्वारा अनुमोदित किया गया है।

प्रस्तावित परियोजना को ईआईए अधिसूचना, 2006 की अनुसूची के तहत गतिविधियों 1 (ए), खनिजों के खनन के तहत सूचीबद्ध किया गया है और श्रेणी-बी 1 के रूप में वर्गीकृत किया गया है।

2. वैधानिक मंजूरी और स्वीकृतियों की स्थिति

पर्यावरण मंजूरी के चरण	DATE
भूतत्व एवं खनिकर्म, निदेशालय छत्तीसगढ़ द्वारा एनयू विस्टा लिमिटेड के पक्ष में पत्र क्रमांक एफ-3-03/2020/12 के माध्यम से एलओआई जारी किया गया है।	04.08.2022
प्रोग्रेसिव माइन क्लोजर प्लान के साथ खनन योजना को भारतीय खान ब्यूरो के पत्र क्रमांक आरपीआर/बलौदा-बाजार/एलएसटी/1372/एमपी/2022-23 द्वारा अनुमोदित	22.08.2023

किया गया है।	
परियोजना के लिए संदर्भ की शर्तें (टीओआर) एसईआईएए, छत्तीसगढ़, पत्र संख्या 2979/एसईएसी, छत्तीसगढ़/खदान/2360 एनवीए रायपुर अटल नगर द्वारा प्रदान की गयी हैं।	09.02.2024
वन एनओसी वन विभाग, बलौदाबाजार से प्रपत्र क्रमांक/तकनीकी/खनिज/1014 - द्वारा प्रदान की गयी हैं।	27.02.2024

3- परियोजना का संक्षिप्त वर्णन

क्रम संख्या	ब्यौरा	विवरण
1.	परियोजना का नाम	परसाभदेर लाइमस्टोन माइनिंग परियोजना
2.	स्थान	
	गाँव	परसाभदेर
	तहसील	बलौदाबाजार
	जिला	बलौदाबाजार - भाटापारा
	राज्य	छत्तीसगढ़
3.	अक्षांश और देशांतर	अक्षांश - 21°38'51.952" N से 21°39'17.563" N , देशांतर - 82°7'20.147" E से 82°7'4.924" E
4.	टोपोशीट नं	कोर जोन: F44Q2 बफर जोन: F44P14, F44Q1, F44Q2 & F44Q6
5.	खनन की अवधि	8 वर्ष
6.	भूगर्भिक भंडार	10.671 मिलियन टन
7.	खनन योग्य भंडार	4.734 मिलियन टन
8.	उत्पादन क्षमता	0.60 MTPA
9.	परियोजना का प्रकार	ओपनकास्ट फुल्ली मकेनाइज़्ड
10.	वर्किंग रिजीम	300 दिन / वर्ष, 2 शिफ्ट प्रति दिन, 7.0 घंटे प्रति शिफ्ट
11.	संभावित रोजगार	कुल - 52
12.	जल की आवश्यकता	मौजूदा पानी की आवश्यकता:

		<p>कुल जल की आवश्यकता 40 KLD</p> <p>खदान की सड़कों पर छिड़काव के लिए जल की आवश्यकता: 17.5 KLD</p> <p>हरित पट्टी विकास और जैविक सुधार के लिए जल की आवश्यकता: 15 KLD</p> <p>पीने योग्य जल (खान में पीने और स्वच्छता के लिए जल की आवश्यकता): 7.5 KLD</p> <p>नोट:- सी जी डब्लू ए से अनुमति के उपरांत भूमिगत जल या माइन पिट से जल का उपयोग किया जायेगा ।</p>
13.	<p>पारिस्थितिक संवेदनशील पार्क, वन्यजीव अभयारण्य, रिजर्व आदि) परियोजना क्षेत्र के 10 किमी की परिधि के भीतर।</p>	<p>प्रस्तावित परियोजना क्षेत्र के 10 किमी की परिधि के भीतर कोई पारिस्थितिक संवेदनशील पार्क, वन्यजीव अभयारण्य, रिजर्व आदि मौजूद नहीं है</p> <p>आरक्षित वन</p> <ul style="list-style-type: none"> • धाबाडीह आरएफ : ~ 2.3 किमी दक्षिण पश्चिम दिशा में • लातवा आरएफ : ~ 5.1 किमी उत्तर उत्तर पूर्व दिशा में • सोनबरसा आरएफ: ~6.8 किमी उत्तर उत्तर पूर्व दिशा में • मोहतारा आरएफ: ~ 8.2 कि.मी पूर्वोत्तर दिशा में
14.	<p>जल निकाय, परियोजना क्षेत्र के 10 किमी की परिधि के भीतर।</p>	<ul style="list-style-type: none"> • एक मौसमी नाला खनन पट्टा क्षेत्र के भीतर से गुजर रहा है। खनन कार्य के दौरान इस क्षेत्र पर खनन कार्य नहीं किया जायेगा । • कुकुरडीह जलाशय: ~ 1.4 कि.मी पश्चिम दक्षिण पश्चिम दिशा में • छुइहा बांध: ~2.2 किमी उत्तर उत्तर पूर्व दिशा में • महानदी नहर: ~ 3.3 कि.मी उत्तर दिशा में • कुकुदा तलाव: ~4.2 किमी दक्षिण दक्षिण पूर्व दिशा में • खोरसी नाला: ~ 5.5 कि.मी दक्षिण पूर्व दिशा में • चितावर नाला: ~ 7.9 किमी दक्षिण दक्षिण पश्चिम दिशा में
15.	<p>परियोजना की लागत</p>	<p>परियोजना की कुल लागत: 50 करोड़ रुपए</p> <p>पर्यावरण संरक्षण के उपायों की लागत: 5 करोड़ रुपए</p> <p>आवर्ती लागत 10 लाख / वर्ष</p> <p>सी.इ.आर. बजट : 50 लाख</p>

4- परियोजना की आवश्यकता

मेसर्स एनयू विस्टा लिमिटेड के पास रिस्टा गांव में 4.1 एमटीपीए क्लिंकर, 3.0 एमटीपीए सीमेंट, सीपीपी 30 मेगावाट, डब्ल्यूएचआरएस-15 मेगावाट की क्षमता वाला एकीकृत सीमेंट प्लांट है। प्रस्तावित खदान इसी एकीकृत सीमेंट संयंत्र के निकट स्थित है और यह निजी उपयोग के लिए संयंत्र की चूना पत्थर की आवश्यकता को पूरा करेगा। राज्य, प्रमुख और लघु खनिज संसाधनों से संपन्न है। जिस क्षेत्र में परियोजना स्थित है, वहां के लोग अधिकतर कृषि पर निर्भर हैं। क्षेत्र में खनन का विकास प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर, बुनियादी ढांचे का विकास, संचार और सामाजिक-आर्थिक बुनियादी ढांचे का विकास प्रदान करेगा। इस प्रकार परियोजना से होने वाले महत्वपूर्ण लाभों को स्थानीय और क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा, राज्य के खजाने में प्रत्यक्ष योगदान के रूप में कहा जा सकता है।

5. परियोजना के लाभ

- जिले / राज्य के स्वराज्य में वृद्धि करेगा।
- प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष दोनों तरह से अतिरिक्त रोजगार सृजित होगा। जिससे देश के साथ-साथ औद्योगिक क्षेत्र का भी आर्थिक विकास होगा।
- कंपनी के द्वारा सामाजिक विकास कार्यक्रम के अन्तर्गत स्थानीय गांव के लोगो को चिकित्सा सुविधा तथा अन्य सुबिधा प्रदान की जाएगी।
- कंपनी के सामुदायिक विकास कार्यक्रमों के कारण गांवों में स्थानीय लोगों के जीवन की गुणवत्ता में सुधार होगा।

6- मशीनरी की आवश्यकता

निमंलिखित मशीनरी का उपयोग किया जायेगा।

क्रम संख्या	उपकरण	उपकरणों की संख्या
1.	एक्सकैवेटर	3
2.	ड्रिल मशीन	2
3.	टिपर / डम्पर	4
4.	पानी का टैंकर	2

7- बिजली की आवश्यकता

खनन का कार्य दिन के समय किया जायेगा। बिजली का उपयोग केवल ऑफिस में किया जायेगा। जिसकी आपूर्ति सोलर लाइट या कैप्टिव पावर प्लांट से की जाएगी।

8- जल की आवश्यकता

प्रस्तावित परियोजना के लिए कुल 40 के एल डी जल की आवश्यकता होगी। जिसमे से 17.5 KLD जल का उपयोग धूल दमन, 15 KLD जल का उपयोग हरित पट्टिका का विकास/पौधारोपण और 7.5 KLD जल का उपयोग पीने और स्वच्छता के लिए/ घरेलु उपयोग के लिए किया जायेगा।

9- कुल कर्मचारी की आवश्यकता

प्रस्तावित परियोजना के लिए लगभग 52 लोगों को रोजगार दिया जायेगा जो की आस पास के गांव से लिए जायेगे।

क्रमांक	विवरण	प्रति दिन व्यक्तियों की कुल संख्या
1	खनन प्रबंधक	03 (1st class -1 & 2nd class – 2)
2	खनन अभियन्ता	01
3	भूविज्ञानी	02
4	यांत्रिक इंजीनियर	01
5	खान फोरमैन	01
6	माइनिंग मेट	02
7	ब्लास्टर	02
8	कुशल श्रमिक/संचालक	14
9	अर्ध-कुशल श्रमिक	06
10	अकुशल श्रमिक	20
	कुल	52

10-पर्यावरण का आधारभूत अध्ययन

मानक	विवरण (न्यूनतम से अधिकतम)
वायु गुणवत्ता	PM ₁₀ - 43.2 (रिसदा गांव) से 62.80 (रावन गांव) $\mu\text{g}/\text{m}^3$

मानक	विवरण (न्यूनतम से अधिकतम)
	PM _{2.5} - 20.0 (रिसदा गांव) से 45.2 (रावन गांव) $\mu\text{g}/\text{m}^3$ SO ₂ - 7.7 (बलौदाबाजार) से 15.8 परियोजना स्थल $\mu\text{g}/\text{m}^3$ NO _x - 18.00 (बलौदाबाजार) से 24.60 परियोजना स्थल $\mu\text{g}/\text{m}^3$
ध्वनि स्तर	शोर स्तर दिन में : 48.20 (परियोजना स्थल) से 53.20 (बलौदाबाजार) dB(A) शोर स्तर रात में : 40.20 (रिसदा गांव) से 44.20 (बरसेला गांव) dB(A)
भू-जल गुणवत्ता	pH : 7.26 (दसरमा गांव) से 7.51 (बरसेला गांव) कठोरता : 172.02 (दसरमा गांव) से 244.16 mg/L (बलौदाबाजार) कुल घुलित ठोस : 390 (कारमाडीह गांव) से 490 mg/L (बरसेला गांव)
सतह जल गुणवत्ता	pH : 7.25 (हवाईखापरी गांव के पास खोसरी नाला) से 7.99 (भरुवाडीह गांव के पास तालाब) कठोरता: 172.02 (कूकरदिह गांव के पास कूकरदिह तालाब) से 258.34 mg/L (भरुवाडीह गांव के पास तालाब) कुल घुलित ठोस: 353 (पारसाभदेर गांव के पास तालाब) से 658 mg/L (कूकरदिह गांव के पास कूकरदिह तालाब)
मृदा गुणवत्ता	pH: 7.42 ढाबाडीह आर.अफ. निकटम गांव खैरवारी से 7.67 (कोकरी गांव) कार्बनिक पदार्थ : 0.20 (मुरहिपर गांव) % से 0.40 % (कोकरी गांव) उपलब्ध पोटेशियम : 139.10 kg/ha (रावन गांव) से 191.20 kg/ha(कोकरी गांव) उपलब्ध नाइट्रोजन : 130 kg/ha(रावन गांव) से 173.64 kg/ha(कोकरी गांव)
पारिस्थितिकी और जैव विविधता	अध्ययन क्षेत्र के 10 किमी के दायरे में कोई वन्यजीव अभ्यारण्य/बायोस्फीयर रिजर्व/राष्ट्रीय उद्यान मौजूद नहीं है। इस अध्ययन के दौरान अनुसूची-I की 8 प्रजातियां पायी गईं। अनुसूचित-1 प्रजातियों के संरक्षण के लिए वन्यजीव संरक्षण

मानक	विवरण (न्यूनतम से अधिकतम)
	योजना बनायी गई है और 20.02.2024 को वन विभाग को जमा की गई है। वन्यजीव संरक्षण योजना के साथ जमा करने की रसीद ड्राफ्ट ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट के साथ अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।
सामाजिक तथा आर्थिक	प्रस्तावित परियोजना से आसपास के क्षेत्र पर सकारात्मक प्रभाव होगा । यह परियोजना 52 व्यक्तियों को प्रत्यक्ष रोजगार प्रदान करेगी जिन्हें आसपास के गांवों से लिया जायेगा।

11-पर्यावरण पर प्रभाव और शमन के उपाय

11.1 भूमि पर्यावरण

परियोजना का कुल क्षेत्र 28.461 हेक्टर है जिसमें से 3.84 हेक्टर क्षेत्र सार्वजनिक भूमि तथा 24.621 हेक्टर भूमि निजी भूमि है । इस क्षेत्र में कोई वन भूमि शामिल नहीं है ।

प्रभाव

खनन कार्यों के अंत में, 23.041 हेक्टर (खुदाई क्षेत्र) का खनन गड्ढा होगा ।

शमन के उपाय

खनन कार्यों के अंत में, खनन पट्टा क्षेत्र (खुदाई क्षेत्र) का हिस्सा जल भंडार और बैकफिलिंग के रूप में उपयोग किया जाएगा । बैकफिलिंग क्षेत्र पर और आसपास के क्षेत्र पर पौधरोपण/ हरित पट्टिका का विकास किया जायेगा ।

11.2 वायु पर्यावरण

प्रभाव

- ब्लास्ट और ड्रिलिंग के दौरान धूल का उत्सर्जन होगा ।
- खनिज की लोडिंग और अनलोडिंग और परिवहन के कारण धूल का उत्सर्जन होगा ।
- ब्लास्टिंग के दौरान धूल और गैसीय उत्सर्जन होगा ।
- खनन में कई मशीनरी का एक साथ उपयोग करने और वाहनों के आवागमन से गैसीय उत्सर्जन होगा ।

शमन के उपाय

- नियंत्रित ब्लास्टिंग और गीली ड्रिलिंग का उपयोग किया जाएगा।
- सामग्री लोड करने से पहले ब्लास्ट सामग्री पर जल का छिड़काव किया जाएगा।
- परिवहन के दौरान, धूल के उत्सर्जन को कम करने के लिए नियमित अंतराल पर जल का छिड़काव किया जाएगा।
- मिनरल का परिवहन केवल दिन के समय ही किया जाएगा।
- धूल के उत्पादन को कम करने के लिए हॉल रोड पर चलने वाले डंपरों की गति की सीमा निर्धारित की जाएगी।
- हॉल रोड को बजरी से ढका जाएगा।
- मिनरल का परिवहन करते समय ट्रको/ डम्पर को ढका जायेगा
- नियमित अंतराल पर माइनिंग मशीनों तथा वाहनों का रखरखाव किया जाएगा।

11.3 जल पर्यावरण

प्रभाव

खनन कार्य के दौरान खनन से कोई अवशिष्ट जल का उत्सर्जन नहीं होगा। घरेलु अवशिष्ट जल का उपचार सेप्टिक टैंक द्वारा सोक पिट से किया जायेगा।

शमन के उपाय

- वर्षा के जल के प्रवाह के लिए प्राकृतिक जल प्रवाह की प्रणाली अपनायी जाएगी।
- खनन से कोई जहरीला बहिस्त्राव प्रवाहित नहीं होगा।
- अध्ययन क्षेत्र में भू जल तथा सतही जल की गुणवत्ता तथा मात्रा की जाँच नियमित अंतराल पर की जाएगी।
- जल संरक्षण के उपाय किये जायेगे।
- माइनिंग पिट में सुनिश्चित तरीके से बैंच बनाई जाएगी मिट्टी तथा अवशिष्ट के ढेर को उचित तरीके से निचे से सीढ़ीदार बनाया जायेगा ताकि बारिश के दौरान कोई भूस्खलन न हो तथा बहते जल के साथ सेलिटिस का मिश्रण न हो।

- श्रमिकों को आसपास के गांव से लिया जायेगा जिससे घरेलू अवशिष्ट की मात्रा बहुत कम होगी और इसे आसानी से सैण्टिक टैंक के द्वारा डिस्पोज़ किया जायेगा ।

11.4 ध्वनि पर्यावरण

प्रभाव

खदान से निम्नलिखित प्रमुख ध्वनि स्रोत हैं:

- ड्रिलिंग
- ब्लास्टिंग
- एचईएमएम का संचालन और वाहनों की आवाजाही

शमन के उपाय

- शार्प ड्रिल बिट्स की मदद से ड्रिलिंग की जाएगी जो ध्वनि को कम करने में मदद करेगी।
- उचित दूरी, बोझ, स्टेमिंग और उपयुक्त चार्ज/विलंब के साथ नियंत्रित ब्लास्टिंग की जाएगी ।
- ब्लास्टिंग अनुकूल वायुमंडलीय परिस्थितियों और कम मानव गतिविधि समय के दौरान की जाएगी।
- वैकल्पिक रूप से एक्सेल गैर-विद्युत दीक्षा प्रणाली का उपयोग करके विस्फोटित फ्यूज की न्यूनतम मात्रा का उपभोग किया जाएगा।
- ध्वनि उत्पन्न करने को कम करने के लिए नियमित अंतराल पर मशीनों का उचित रखरखाव, तेल लगाने और ग्रीसिंग करने का कार्य किया जाएगा।
- प्राइम मूवर्स/डीजल इंजनों का उचित रखरखाव किया जाएगा।
- उच्च स्तर की ध्वनि उत्पन्न करने वाली मशीनों (एचईएमएम) पर तैनात श्रमिकों के लिए ध्वनिरोधी कक्षको का प्रावधान रखा जायेगा ।
- कंपन उपकरणों की नींव पर ध्वनि पैदा करने वाले हिस्सों और शॉक अवशोषक पैड के लिए इनबिल्ट मैकेनिज्म जैसे साइलेंसर, मफलर और एनक्लोजर प्रदान करके प्लांट और मशीनरी की उचित डिजाइनिंग की जाएगी
- खनन गतिविधि क्षेत्र के चारों ओर तथा हॉल सड़कों के किनारे हरित पट्टिका /वृक्षारोपण किया जाएगा। वृक्षारोपण ध्वनि के प्रसार को कम करता है।

11.5 पारिस्थितिकी और जैव-विविधता

प्रभाव

खनिज के परिवहन और लोडिंग और अनलोडिंग के दौरान वायु प्रदूषण के कारण जैविक पर्यावरण पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है।

ब्लास्टिंग प्रक्रिया के दौरान उत्पन्न होने वाली ध्वनि और कंपन से क्षेत्र में मौजूद जीवों पर कुछ प्रभाव पड़ सकता है।

शमन के उपाय

- अप्रोच रोड पर नियमित अन्तराल पर जल का छिड़काव किया जाएगा। ।
- अप्रोच रोड के किनारे पर वृक्षारोपण किया जाएगा। ।
- ब्लास्टिंग प्रक्रिया दिन के समय, अधिमानतः 3.00 बजे से पहले की जाएगी ।
- खनन पट्टा क्षेत्र के 10 कि.मी. की परिधि में कोई राष्ट्रीय उद्यान, वन्य जीव अभ्यारण्य, जैव क्षेत्र रिजर्व, हाथी रिजर्व, टाइगर रिजर्व या हाथी गलियारा आदि उपस्थित नहीं है।
- अध्ययन क्षेत्र में अनुसूची-1 की 08 प्रजातियों के जीव पाए गए हैं, अनुसूचित-1 प्रजातियों के संरक्षण के लिए वन्यजीव संरक्षण योजना बनायी गई है और 20.02.2024 को वन विभाग को जमा की गई है। वन्यजीव संरक्षण योजना के साथ जमा करने की रसीद ड्राफ्ट ईआईए/ईएमपी रिपोर्ट के साथ अनुलग्नक के रूप में संलग्न है।
- परियोजना में प्रस्तावित खदान के लिए किसी भी नए पेड़ की कटाई शामिल नहीं है, तथा नियोजित अवधि के दौरान खनन पट्टा क्षेत्र के अंदर 23475 पेड़ लगाए जाएंगे।

11.6 सामाजिक-आर्थिक वातावरण

- इस परियोजना में निजी भूमि के पट्टे या अधिग्रहण की कोई परिकल्पना नहीं है। इसलिए वर्तमान प्रस्ताव के तहत पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन की कोई योजना नहीं है।
- इसके अतिरिक्त, यह परियोजना लगभग 52 व्यक्तियों को रोजगार उपलब्ध कराएगी ।
- मौजूदा बुनियादी ढांचे पर कम से कम बोझ पड़ेगा क्योंकि स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता दी जाएगी।

- बेहतर ढांचागत सुविधाएं जैसे गांव क्षेत्र के भीतर पहुंच सड़को का विकास, स्ट्रीट लाइट, स्वास्थ्य सुविधाएं आदि प्रदान की जाएगी ।

12- हरितपट्टीका का विकास

वन विभाग के परामर्श से हॉल रोड, सामुदायिक भूमि एवं शासकीय भवन के किनारे कुछ फलदार एवं औषधीय वृक्षों को प्रथम वर्ष में **23475** वृक्ष लगाने का प्रस्ताव रखा गया है। हरितपट्टीका के विकास के लिए 2347500 रुपये का प्रस्ताव 100 रु / पौधा तथा 7042500, 300 रु/पौधा रुपये आवर्ती लागत रखी गयी है अथार्थ कुल 9390000 रुपये हरितपट्टीका के विकास के लिए आवंटित किये जायेगे.

13-पर्यावरण प्रबंधन योजना

पर्यावरण प्रबंधन योजना में प्रतिकूल पर्यावरणीय प्रभावों को समाप्त करने या उन्हें स्वीकार्य स्तर तक कम करने के लिए परियोजना के कार्यान्वयन और संचालन के दौरान किए जाने वाले शमन, प्रबंधन, निगरानी और संस्थागत उपायों का समूह शामिल है।

